जानवर भी हो रहे हैं मोटे

क्या हमारे वातावरण में ही कुछ ऐसा हो रहा है कि इन्सान और जानवर सभी मोटे हो रहे हैं? *प्रोसीडिंग्स ऑफ रॉयल सोसायटी बी* में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार मोटापे में बड़े ही नाटकीय ढंग से वृद्धि हो रही है। ये परिणाम दर्शाते हैं कि मोटापे की महामारी उतनी साधारण या सीधी नहीं है जैसा कि लोग सोचते हैं।

यह किसी से छुपा नहीं है कि इन्सानों में मोटापा अब महामारी का रूप ले चुका है। शोधकर्ताओं ने शारीरिक श्रम में कमी या अत्यधिक जंक फूड खाने की आदत जैसे सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए यह निष्कर्ष निकाला है कि शायद पर्यावरण के किसी कारक को भी दोषी ठहराया जा सकता है।

युनिवर्सिटी ऑफ अलाबामा, बर्मिंगहैम के डेविड एलिसन और उनके सहकर्मियों ने उत्तरी अमरीका की 8 अलग-अलग प्रजातियों की 24 बस्तियों के 20,000 से अधिक वयस्क जानवरों के शरीर के भार का अध्ययन किया। इसमें केवल उन स्तनधारियों को शामिल किया गया था जिनका पिछले 50 सालों में दो बार वज़न नापा जा चुका था और साथ ही जिनके वज़न में न तो शोधकार्य के दौरान जानबूझकर कोई छेड़छाड़ की गई थी और न ही वे किसी फीडिंग प्रोग्राम का हिस्सा थे। इन 24 आबादियों में अनुसंधान कार्य के लिए सुरक्षित रखे गए प्राइमेट्स से लेकर बाल्टीमोर के जंगलों में पाए जाने वाले जंगली चूहे तक शामिल थे। इन सभी के वज़न में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। घरेलू जानवर भी इससे अछूते नहीं हैं। बिल्लियों के औसत वज़न में प्रति दशक लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई, और कुत्तों के वज़न में हर दशक में 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

अध्ययन के दौरान ऐसे जीवों के शरीर के भार में भी बढ़ोत्तरी हुई जिनके आहार की मात्रा अथवा शारीरिक गतिविधि में कोई विशेष परिवर्तन नहीं आया था। एलिसन कहते हैं कि इस प्रकार अगर आहार में परिवर्तन और ऊर्जा असंतुलन मोटापे के लिए ज़िम्मेदार नहीं है तो अवश्य ही कुछ पर्यावरणीय कारक इसके पीछे हो सकते हैं।

हो सकता है कि इस शोध में शामिल जानवरों ने खाया अधिक और व्यायाम कम किया हो, जैसा कि अक्सर हम भी करते हैं। एलिसन स्वीकार करते हैं कि ऐसा संभव है पर साथ ही वे कहते हैं कि वैज्ञानिक इस बात का पूरा रिकॉर्ड रखते हैं कि अनुसंधान कार्य में लगे जानवरों को आखिर क्या खिलाया गया। आवास की परिस्थितियों को भी पिछले 50 सालों में नहीं बदला गया। पर्यावरणीय कारकों में एलिसन वातावरण में घुले ज़हर और वायरस को मुख्य मानते हैं।

बहुत से अध्ययनों में बिसफिनॉल A और कुछ टिन युक्त यौगिकों का सम्बंध वज़न बढ़ने से देखा गया है। इसी प्रकार से, वायरस, खास तौर से सामान्य जुकाम के एडिनोवायरस संक्रमण का सम्बंध भी वज़न में वृद्धि से देखा गया है।

वैसे एलिसन मानते हैं कि आहार और व्यायाम मनुष्य और जानवरों के वज़न बढ़ने में मुख्य रूप से ज़िम्मेदार हैं मगर हमें कुछ अन्य चीज़ों के लिए भी अपना दिमाग खुला रखना होगा। भोजन और व्यायाम के दायरे के बाहर भी कुछ तत्व हैं जो वज़न को प्रभावित करते हैं। ***(स्रोत फीचर्स)***